2. टिपटिपवा

भुवन रोज़ रात को सोने से पहले दादी से कहानी सुनता। दादी रोज़ उसे तरह-तरह की कहानियाँ सुनातीं।

एक दिन मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नहीं हुई थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। दादी की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह से टपक रहा था- टिपटिप-टिपटिप। इस बात से बेखबर पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। दादी खीझकर बोलीं, "अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? इस टिपटिपवा से जान बचे तब न!"

पोता उठकर बैठ गया। "दादी, ये टिपटिपवा कौन है? टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से बड़ा होता है?" उसने पूछा।

दादी छत से टपकते हुए पानी की तरफ देखकर बोलीं, "हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त डर, टिपटिपवा के डर।"

संयोग से मुसीबत का मारा एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था। बेचारा बाघ बारिश से घबराया हुआ था। दादी की बात सुनते ही वह और डर गया ।

"अब यह टिपटिपवा कौन-सी बला है? ज़रूर यह कोई बड़ा जानवर है। तभी दादी शेर-बाघ से ज़्यादा टिपटिपवा से डरती हैं। इससे पहले कि वह बाहर आकर मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।"

बाघ ने ऐसा सोचा और झटपट वहाँ से दुम दबाकर भाग चला।

उसी गाँव में भोला भी रहता था। वह भी बारिश से परेशान था। आज सुबह से उसका गदहा गायब था। सारा दिन वह बारिश में भींगता रहा और जगह-जगह गदहे को ढूँढ़ता रहा, लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

भोला की पत्नी बोली, "जाकर गाँव के पंडित जी से क्यों नहीं पूछते? वे बड़े ज्ञानी हैं। आगे-पीछे, सबके हाल की उन्हें खबर रहती है।"

भोला को पत्नी की बात जँच गई। अपना मोटा लट्ठ उठाकर वह पंडित जी के घर की तरफ चल पड़ा। उसने देखा कि पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।

"महाराज, मेरा गदहा सुबह से नहीं मिल रहा है। ज़रा पोथी बाँचकर बताइए तो वह कहाँ है?" भोला ने बेसब्री से पूछा।

सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। भोला की बात सुनी तो झुँझला पड़े और बोले, "मेरी पोथी में तेरे गदहे का पता-ठिकाना लिखा है क्या, जो आ गया पूछने? अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।" और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने।

भोला वहाँ से चल दिया। चलते-चलते वह एक तालाब के पास पहुँचा। तालाब के किनारे ऊँची-ऊँची घास उग आई थी। भोला घास में गदहे को ढूँढ़ने लगा। किस्मत का मारा बेचारा बाघ टिपटिपवा के डर से वहीं घास में छिपा बैठा था। भोला की नज़र बाघ पर पड़ी। अँधेरा और बारिश के कारण साफ दिखाई नहीं दे रहा था। भोला को लगा कि बाघ ही उसका गदहा है। उसने आव देखा न ताव और लगा बाघ पर मोटा लट्ठ बरसाने। बेचारा बाघ इस अचानक हमले से एकदम घबरा गया। "लगता है यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया। अब अपनी जान बचानी है तो यह जो कहे चुप-चाप करते जाओ।" बाघ ने मन ही मन सोचा।

"आज तूने बहुत परेशान किया है, मार-मार कर मैं तेरा कचूमर निकाल दूँगा"- ऐसा कहकर भोला ने बाघ का कान पकड़ा और उसे खींचता हुआ घर की तरफ चल दिया। बाघ बिना चूँ-चपड़ किए भींगी बिल्ली बना भोला के पीछे-पीछे चल दिया। घर पहुँचकर भोला ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया और सो गया।

सुबह जब गाँववालों ने भोला के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधा देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

शब्दार्थ

खीझकर	–	कुढ़कर, चिढ़कर, झुंझलाकर
बला	–	आपत्ति, आफत
दुम	–	पूँछ
गढ़ई	–	छोटा गड्ढा
उलीचना	–	उपछना, बाहर फेंकना

अभ्यास

बातचीत के लिए

1. आप भी कहानी सुनने के लिए मचलते होंगे। आपको कहानी कौन–कौन सुनाते हैं?
2. 'टिपटिपवा' कौन है? बाघ उसका नाम सुनकर क्यों डर गया था?
3. पंडित जी बारिश का जमा पानी कैसे उलीच रहे थे?
4. कहानी में भोला किस पोथी को बाँचने की बात करता है?
5. दादी ने ऐसा क्यों कहा कि टिपटिपवा का डर शेर–बाघ से भी बड़ा होता है?
6. पंडित जी के घर जाते समय भोला ने मोटा लट्ठ साथ में क्यों लिया होगा?

कहानी में से

1. भोला पंडित जी के पास क्यों गया?
2. बाघ टिपटिपवा के डर से कहाँ छिप गया?
3. गाँववालों की आँखें खुली की खुली क्यों रह गईं?

बारिश ही बारिश

'बारिश में दादी की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह टपक रहा था।'

1. दादी ने बारिश से बचने के लिए क्या किया होगा?
2. आप या आपके गाँव/मोहल्ले के लोग बारिश से बचने के लिए क्या-क्या करते हैं?
3. **इस कहानी में बारिश से कई लोग परेशान हुए। बताइए कि निम्नलिखित लोगों को बारिश के कारण क्या परेशानी हुई-**

व्यक्ति	क्या परेशानी हुई
दादी	-------------------
पंडित जी	-------------------
बाघ	-------------------
भोला	-------------------

कहानी की दुनिया

1. **कहानी में पहले क्या हुआ, फिर उसके बाद क्या हुआ? घटनाओं के आधार पर क्रम में अंक दीजिए-**

☐ भोला ने बाघ को गदहा समझकर उसे खूँटे से बाँध दिया।

☐ दादी ने कहा, "टिपटिपवा तो बाघ से भी बड़ा होता है।"

☐ गाँववाले हैरानी से बाघ को देखने लगे।

☐ दादी की झोंपड़ी में बारिश का पानी टपक रहा था।

☐ भोला अपने गदहे का पता पूछने पंडित जी के पास गया।

☐ बाघ टिपटिपवा के डर से तालाब के किनारे घास में छिप गया।

2. कहानी में शेर और बाघ की बात आई है। नीचे दिए गए चित्र में बताएँ कि कौन बाघ है और कौन शेर?

3. बाघ चुपचाप भोला के पीछे क्यों चलने लगा। सही उत्तर पर (✓) निशान लगाइए –

(क) बाघ भोला से डर गया था। ☐

(ख) बाघ ने सोचा कि भोला उसे टिपटिपवा से बचाएगा। ☐

(ग) बाघ ने मोटे लट्ठ को टिपटिपवा समझ लिया। ☐

कहानी और आप

1. 'सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। भोला की बात सुनी तो झुँझला पड़े।'
बताइए, आप कब थक जाते हैं और कब झुंझला पड़ते हैं? निम्नलिखित लोगों के बारे में भी पता कर लिखिए –

व्यक्ति	थक जाते हैं	झुँझला पड़ते हैं
आप	----------	-----------
माँ	----------	-----------
पिताजी	----------	-----------
बहन	----------	-----------
भाई	----------	-----------
दोस्त	----------	-----------

2. 'पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था।'

(क) यहाँ मचलने का क्या मतलब है?

(ख) आप किन-किन चीज़ों/कामों के लिए मचलते हैं?

(ग) क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी चीज़ के लिए मचलने पर आपको डाँट पड़ी हो? बताइए।

भाषा के रंग

1. 'सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे।'

इसी तरह सही शब्द से वाक्य पूरे कीजिए–

उलीचना	पटाना	फेंकना
डालना	फेरना	देना

- सुनील खेतों को पानी से ---------------- रहा था।
- अंकित ने जल्दी से पैरों पर पानी ----------------और पैर साफ किया।
- अरे तुमने तो मेरे किए कराए पर पानी ---------------- दिया।
- सभी नाव से पानी ---------------- लगे।
- गिलास में मक्खी गिर गई थी इसलिए मामाजी को सारा पानी ------------ पड़ा।
- एक गिलास पानी ------------------।

2. नीचे दिए गए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए अर्थ बताइए–

चूँ-चपड़ न करना – ---

भींगी बिल्ली बनना – ---

आव देखा न ताव – ---

दुम दबाकर भागना - ------------------------------

आँखें खुली की खुली रहना - ------------------------------
----

3. नीचे दिए गए कथनों को अपनी क्षेत्रीय भाषा (मातृभाषा) में बोलिए-

- टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से भी बड़ा होता है?
- अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।
- लगता है, यही टिपटिपवा है।

4. नीचे दिए गए कथनों को हिंदी में बोलिए-

अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब न।
हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त डर, टिपटिपवा के डर।

5. इससे पहले कि बाहर आकर वह मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।

आप भी 'इससे पहले कि' का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए-

इससे पहले कि - ------------------------------
इससे पहले कि - ------------------------------
इससे पहले कि - ------------------------------

6. निम्नलिखित शब्द स्त्रीलिंग हैं या पुँल्लिंग ? (✓) निशान लगाइए-

बारिश	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
झोपड़ी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
पानी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
लट्टू	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
पोथी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग

7. (क) नीचे दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–

- भोला वहाँ से चल दिया।
- दादी पोते को कहानी सुना रही थीं।
- और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने।
- धोबी को लगा कि बाघ ही उसका गदहा है।

(ख)

पहले वाक्य में 'भोला' एक व्यक्ति विशेष का नाम है, यह व्यक्तिवाचक संज्ञा है। किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान के ख़ास नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों में व्यक्तिवाचक संज्ञा के नीचे रेखा खींचिए–

- राधिका ने गीत गाया।
- हम गोलघर देखने गए थे।
- पटना सुंदर शहर है।
- सुमित ने पौधा लगाया।

कुछ करने के लिए

आपने अब तक कई कहानियाँ पढ़ी होंगी। अपनी पसंद की कोई कहानी सुनाइए।